P372

इंदौर, शुक्रवार 27 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 128
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

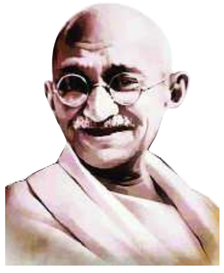

राष्ट्रपिता को नमन...

राम तो घर-घर में हैं, राम हर आंगन में हैं
मन से रावण जो निकाले, राम उसके मन में हैं
रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

शुक्र है! चुनावी मौसम के चलते नहीं पड़ा कीमतों का भार जनता पर

सरकार ने आज सुबह पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत
भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में जहां हर वर्ष चुनाव होते हैं। बार-बार होने वाले चुनावों को लेकर अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों पर बड़ा चिंतन-मनन किया जाता है, लेकिन वर्तमान युद्ध की विभीषिका के बीच जिस तरह से पेट्रोल-डीजल और गैस की आपूर्ति और कीमतों को लेकर पूरा विश्व चिंता में है, बात केवल इनकी कीमत को लेकर नहीं हो रही है, बात हो रही है इनकी उपलब्धता को लेकर। इन सबके बीच भारत में लोकतांत्रिक उत्सव का माहौल पांच राज्यों में जारी है। ऐसे में सरकार के लिए पेट्रोल-डीजल, गैस की उपलब्धता पर और बढ़ती कीमतों पर जो अतिरिक्त व्यय हो रहा है, उसका भार चुनावी मौसम के चलते सरकार खुद ही झेल रही है। यह वही पेट्रोल-डीजल है, जो आम दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार का हवाला देकर महंगा होता रहता है। लेकिन चुनाव आते ही वही बाजार जैसे शांत हो जाता है, और सरकार को जनता की जेब का दर्द भी साफ-साफ दिखाई देने लगता है। सवाल यह नहीं कि राहत क्यों दी गई सवाल यह है कि यह राहत हमेशा क्यों नहीं दिखती?

सरकार ने इस बार अपने 'मुनाफे' में कटौती कर जनता को राहत दी है। सुनने में यह त्याग जैसा लगता है, लेकिन राजनीति के जानकार इसे निवेश मानते हैं—सीधा-सीधा वोट में रिटर्न पाने वाला निवेश। दिलचस्प बात यह है कि जनता को राहत देने का यह फार्मूला केवल चुनावी कैलेंडर से ही एक्टिव होता है। बाकी समय महंगाई 'राष्ट्रीय कर्तव्य' की तरह निभाई जाती है, जिसमें आम आदमी चुपचाप सहयोग करता रहता है। आर्थिक मोर्चे पर इसे राजस्व घाटा कहा जाएगा, लेकिन राजनीतिक भाषा में यह 'डैमेज कंट्रोल' है। सरकार यह संदेश देना चाहती है कि वह जनता के साथ खड़ी है, कम से कम तब तक, जब तक जनता वोटिंग मशीन के सामने खड़ी है। अंततः सच्चाई यही है कि इस देश में पेट्रोल-डीजल के दाम सिर्फ तेल के कुओं से तय नहीं होते, बल्कि चुनावी माहौल की गर्मी-ठंडक से भी तय होते हैं। केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाकर आम जनता को राहत देने का फैसला किया है—अब इसे संयोग कहें या चुनावी मौसम का असर, यह समझना मुश्किल नहीं। बीते कुछ महीनों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अपना खेल दिखा रही थीं, लेकिन देश में कीमतें बढ़ाने के बजाय सरकार ने अपने हिस्से का 'त्याग' दिखाते हुए एक्साइज ड्यूटी कम कर दी। यानी इस बार बोझ जनता पर नहीं, सीधे सरकारी खजाने पर डाला गया—कम से कम फिलहाल के लिए। व्यंग्य यही है कि जनता को राहत तब मिलती है जब वोट की आहट तेज हो जाती है। आम दिनों में जहां पेट्रोल पंप पर खड़े होकर लोग कीमतों पर चर्चा करते नजर आते हैं, वहीं चुनावी दिनों में वही लोग थोड़ी राहत की सांस लेते दिखते हैं।

■ राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी तैर रहा है, क्या महंगाई का इलाज केवल चुनावी मौसम में ही मिलता है? अगर हां, तो देश में हर साल चुनाव होने चाहिए ताकि जनता को समय-समय पर राहत मिलती रहे। आर्थिक विशेषज्ञ भले ही इसे 'राजस्व में कमी' और 'नीतिगत संतुलन' का नाम दें, लेकिन आम आदमी इसे सीधे-सीधे अपनी जेब से जोड़कर देख रहा है। उसके लिए यह राहत उतनी ही वास्तविक है, जितनी यह सच्चाई कि चुनाव खत्म होते ही कीमतों का ग्राफ फिर से ऊपर चढ़ सकता है।

■ आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी केंद्र सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत है। इसमें कटौती का मतलब है कि सरकार को प्रत्यक्ष रूप से कम आय होगी। हालांकि, इससे बाजार में उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना रहती है, जो अप्रत्यक्ष रूप से अर्थव्यवस्था को गति दे सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है—जिसमें सरकार ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह जनता के हितों को प्राथमिकता देने के लिए अपने राजस्व में भी कटौती करने को तैयार है।

आज बाजार से उठाया जायेगा ढाई हजार करोड़ रुपयों का नया कर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
भोपाल ● राज्य सरकार आज रामनवमी पर ढाई हजार करोड़ रुपयों का बाजार से नया कर्ज उठायेगी। यह कर्ज दो हिस्सों में लिया जायेगा जिसमें पहला कर्ज 1500 करोड़ रुपयों का होगा जिसे 14 साल बाद चुकाया जायेगा जबकि दूसरा कर्ज एक हजार करोड़ रुपयों का होगा जोकि 24 साल बाद अदा किया जायेगा। राज्य सरकार वर्तमान वित्त वर्ष में अब तक बाजार से करीब 85 हजार 100 करोड़ रुपयों का कर्ज ले चुकी है तथा नया कर्ज मिलाकर यह राशि 87 हजार 600 करोड़ रुपयों की हो जायेगा।

अंदर के पन्नों पर...

जिला शिक्षा केन्द्र ने जारी की सूचना

पेज-2

'आखरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

पेज-5

बिजली का बिल 4.80% महंगा

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- कुवैत में नेताओं की हत्या की साजिश नाकाम, 6 आरोपी गिरफ्तार, सामने आया हिज्बुल्लाह कनेक्शन
- खामेनेई के पोस्टर लहरा रहे विधायकों से छु-च विधानसभा में धक्का-मुक्की, जमकर हुआ बवाल
- आज मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बैठक, राज्यों की तैयारियों की करेंगे समीक्षा
- डॉलर के मुकाबले रुपये में ऐतिहासिक गिरावट, 94.24 के सर्वकालिक निचले स्तर पर

सेटिंग से मिल रही मान्यता! जेडी की अस्वीकृति का नहीं रहा कोई मतलब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
भोपाल ● प्रदेश के लोक शिक्षण संचालनालय में एक बड़ा खेल सामने आ रहा है। सूत्रों के अनुसार अशासकीय हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की मान्यता प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। जहां एक ओर जेडी कार्यालय द्वारा नियमों के तहत कई स्कूलों की मान्यता अस्वीकृत की जा चुकी है, वहीं दूसरी ओर संचालनालय स्तर पर 'सेटिंग' के जरिए उन्हीं फाइलों को हरी झंडी दी जा रही है।

क्या है पूरा मामला?
जेडी स्तर पर निरीक्षण के बाद कई स्कूलों की मान्यता इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टाफ और नियमों की कमी के कारण खारिज की गई। लेकिन संचालनालय के कुछ अधिकारियों द्वारा उन्हीं फाइलों को दोबारा प्रोसेस कर मान्यता दे दी जा रही है। सूत्र बताते हैं कि इस पूरे खेल में सेटिंग सिस्टम की बड़ी भूमिका है।

गौरतलब है कि जिन स्कूलों के पास जमीन नहीं होने के कारण जेडी द्वारा मान्यता निरस्त की थी वे स्कूल भी अब सेटिंग के द्वारा किरायनामा लगाकर मान्यता लेने की जुगाड कर रहे है इसमें डीपीआई के दो सहायक संचालकों के नाम सामने आ रहे है वे मुख्यालय में बैठकर जेडी पर मान्यता करने का दवाब डाल रहे है। 'बिना जमीन के स्कूलों को 'सेटिंग' से मान्यता! किरायनामा बन रहा नया हथियार। सूत्रों के अनुसार जिन स्कूलों के पास स्वयं की भूमि नहीं है, उनकी मान्यता पहले ही जेडी कार्यालय द्वारा निरस्त कर दी गई थी। अब वही स्कूल किरायनामा लगाकर नियमों को दरकिनार करते हुए मान्यता लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह पूरा खेल 'सेटिंग सिस्टम' के तहत संचालित हो रहा है।

कश्मीर ने ईरान के लिए 18 करोड़ चंदा जुटाकर चौंकाया

श्रीनगर (एजेंसी) ● कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन में करोड़ों रुपए का चंदा जुटाया गया है। इससे देश की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। आशंका है कि इन पैसों का इस्तेमाल आतंकी फंडिंग में हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, अब तक 17.91 करोड़ रुपए चंदा जुटाया गया है। इनमें से 85 फीसदी राशि शिया समुदाय ने दान की है। कश्मीर का बड़गाम शिया बहुल इलाका है। यहां से करीब 9.5 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। यह फंडरेजिंग अभियान जकात और सदका के जरिए लिया जा रहा है। इसका उद्देश्य मौजूदा संघर्ष से प्रभावित ईरानी नागरिकों की मदद करना बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक भारत में ईरानी दूतावास ने सीधे पैसे ट्रांसफर करने के लिए एक विशेष बैंक अकाउंट भी खोला है, जिसमें यूपीआई के

जरिए भुगतान की सुविधा दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि चंदे की राशि और बढ़ सकती है। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे सीधे दूतावास के आधिकारिक माध्यमों से ही पैसा भेजें, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। खुफिया सूत्रों ने यह भी बताया कि पहले भी चैरिटी के नाम पर जुटाए गए फंड के दुरुपयोग के मामले सामने आ चुके हैं।

खुफिया एजेंसियों ने फंड की निगरानी बढ़ाई

खुफिया एजेंसियां फंड की निगरानी कर रही हैं। उनका कहना है कि चंदे का कुछ हिस्सा गलत हाथों में जा सकता है या उसका गलत इस्तेमाल हो सकता है। अधिकारियों ने माना कि लोगों की भावना सही हो सकती है, लेकिन बिचौलिये और बिना सत्यापन वाले संगठन पारदर्शिता को प्रभावित कर सकते हैं। जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि कुछ शिया धार्मिक नेता और संगठन विभिन्न गतिविधियों के लिए ईरान से आर्थिक सहायता प्राप्त करते हैं। अधिकारियों का कहना है कि पर्याप्त निगरानी न होने पर इस तरह के फंड का इस्तेमाल राजनीतिक या अन्य गतिविधियों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है।

चोरों की चांदी — आबकारी कार्यालय से 6 लाख की शराब हुई चोरी

सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले विभाग में चोरों का धावा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत
देपालपुर आबकारी कार्यालय में चोरों ने सुरक्षा इंतजामों को धता बताते हुए दीवार तोड़कर लाखों रुपए की शराब चोरी कर ली। यह घटना तब सामने आई। जब उपनिरीक्षक हरेंद्र सिंह घुरैया कल अपनी टीम के साथ दफ्तर पहुंचे तो देखा कि अंदर की दीवार टूटी हुई है और जब्त की गई शराब गायब है। चोरी हुई शराब में 150 पेटी देशी मदिरा, 29 पेटी विदेशी शराब और 8 पेटी बियर, जिसकी अनुमानित कीमत 6 लाख रुपए से ज्यादा है। देपालपुर का आबकारी कार्यालय बरसों पुराना और जर्जर है, यहां आबकारी पुलिस नियमित रूप से नहीं बैठती, केवल जब्त की गई शराब रखी जाती है। सबसे बड़ी बात सरकार को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला विभाग आबकारी है, लेकिन इस जर्जर भवन की हालत यह है कि

अधिकारी यहां बैठ नहीं पाते पहले भी कहीं बार जर्जर भवन को लेकर अखबारों में खबरें प्रकाशित हुई, लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने यहां ध्यान देना उचित नहीं समझा। उपनिरीक्षक घुरैया ने लोहे का दरवाजा और चैनल गेट लगवाया था, लेकिन चोर पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुस गए। चोरी की सूचना देपालपुर थाने में दी है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आबकारी पुलिस की पूछताछ में तीन संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, जिनकी जानकारी पुलिस को दी गई है। दफ्तर के पास स्थित खंडहर मकान में शराबियों का अड्डा है, जहां अक्सर नशाकिया जाता है। इस घटना के बाद इलाके में चर्चा है कि जब सरकारी दफ्तर ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा कैसे तय होगी।

देपालपुर थाना प्रभारी रणजीतसिंह बघेल का कहना है की आबकारी पुलिस ने थाने में आवेदन दिया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा करेंगे

अब लगेगी शराब की सेल

इंदौर। आबकारी विभाग द्वारा फरवरी अंत से प्रदेश की शराब दुकानों की नीलामी की जा रही है। खरीदार न मिलने के कारण दुकानों की कीमतों को 15 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर मौजूदा शराब ठेकेदार ठेका अवधि खत्म होती देख सस्ती शराब बेच रहे हैं। कई दुकानों पर शराब की कीमतें 40 से 50 प्रतिशत तक कम कर दी गई है। इसके कारण शहर में नियम विरुद्ध धड़ल्ले से सस्ती शराब बेची और खरीदी जा रही है।

***1 पर 1 फ्री**-इंदौर सहित आसपास के क्षेत्रों में शराब का मौजूदा वित्तीय वर्ष का कोटा खत्म करने के लिए एक बोतल के साथ एक बोतल फ्री जैसे ऑफर भी चलाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई दुकानों की इस तरह की रील भी वायरल हो रही है।*

तेज रफ्तार कार ने युवकों को टक्कर मारी

एक्टिवा सवार दोनों 30 फीट दूर जा गिरे, 1 मृत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि
इंदौर ● तुकोगंज थाना क्षेत्र में कल देर रात तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार हादसा एमजी रोड पर हुआ, जहां तेज रफ्तार कार ने पीछे से एक्टिवा को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक करीब 30 फीट दूर जाकर फुटपाथ पर गिर पड़े। खजराना निवासी 23 वर्षीय अनस अब्बासी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 32 वर्षीय जुबेर के दोनों पैरों में फ्रैक्चर आया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची तुकोगंज पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को पकड़ लिया और कार जब्त कर ली। जांच में कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी होने

की जानकारी सामने आई है। अनस अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और फोटोग्राफी का काम करता था। उसके पिता की दो साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। घायल जुबेर कार डेकोरेशन का काम करता है। परिजनों के अनुसार उसकी 20 दिन बाद शादी तय थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

इन्दौर ट्रामा सेंटर की सिटी स्कैन, सोनोग्राफी की मशीन सील कर थमाए नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खण्डवा रोड पर संचालित एक निजी अस्पताल की सीटी स्कैन और सोनोग्राफी मशीन को जंहा सील कर दिया गया तो वंही यंहा पर कार्यरत अपंजीकृत डाक्टर्स को नोटिस भी जारी किए गए है। जिला प्रशासन के निर्देश के चलते दयाल बाग कॉलोनी में इंदौर ट्रामा सेन्टर की आज आकस्मिक जांच की गई, निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पाँच से ज्यादा अपंजीकृत चिकित्सक जंहा सोनोग्राफी और ईको सम्बन्धित कार्य करते हुए पाए गए तो वंही मौके पर अपंजीकृत सिटी स्केन और सोनोग्राफी मशीन भी संचालित पायी गयी। अधिकारियो इन मशीनों को तत्काल सील कर दिया । इसके अलावा सम्बन्धित अस्पताल प्रबन्धन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

भगवान महावीर जन्म महोत्सव : युद्ध की विभीषिका के बीच विश्व को 'जियो और जीने दो' का संदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर संपूर्ण विश्व में अहिंसा और करुणा की लहर व्याप्त है। वीश्व जैन संगठन एवं राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के अध्यक्ष मयंक जैन एवं प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि आज जब विश्व के कई हिस्से युद्ध की आग में जल रहे हैं, तब महावीर प्रभु का कालजयी संदेश 'जियो और जीने दो' मानवता के लिए एकमात्र संजीवनी बनकर उभरा है। वैश्विक अशांति के बीच अहिंसा की प्रासंगिकता। दद्दू ने कहा कि वर्तमान समय में जहाँ राष्ट्रों के बीच तनाव और युद्ध का माहौल है, जैन समाज और अहिंसा प्रेमियों ने वैश्विक शांति की अपील की है।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल द्वारा अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए पेश किए गए SET & SITEEE 2026

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) अपने फुल-टाईम अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए SET 2026 (सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट) और SITEEE 2026 (सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम) के रजिस्ट्रेशन जल्द बंद करने जा रही है। इच्छुक छात्र 15 अप्रैल 2026 तक इन परीक्षाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने वाले छात्र ध्यान दें कि इस अंतिम दिनांक को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। SET और SITEEE दोनों कम्प्यूटर-बेस्ड टेस्ट हैं, जिनका संचालन सिम्बायोसिस इंटरनेशनल द्वारा कई अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए किया जाता है।

डीएवीवी कार्यपरिषद की अहम बैठक में बजट पेश सर्वसम्मति से पारित

590 करोड़ का मेगा बजट-बिना फीस बढ़ेगी विकास की रफ्तार

■ डिजिटल लेकर थिएटर, बिल्डिंग्स और कोर्सेस के छात्रों को राहत

■ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और नए कोर्सेस पर बड़ा फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) की कार्यपरिषद की अहम बैठक में गुरुवार को वर्ष 2026-27 के लिए करीब 590 करोड़ रुपये का बजट सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस बजट में यूनिवर्सिटी को आधुनिक, डिजिटल और इंफ्रास्ट्रक्चर के स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं। बैठक में साफ किया गया कि यह बजट केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने और नए कोर्सेस के जरिए आय बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर फोकस : बजट में यूनिवर्सिटी के विभिन्न परिसरों में बड़े निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई है। इसमें तक्षशिला परिसर में 8 करोड़ रुपये से लेकर थिएटर, नई प्रशासनिक बिल्डिंग और ऑडिटोरियम निर्माण, ड्रेनेज लाइन, कांक्रीट रोड और कैंपस डेवलपमेंट, जीव विज्ञान और कॉमर्स विभागों में ऑडिटोरियम अपग्रेड, ई-लाइब्रेरी और बॉटनिकल सुविधाओं का विस्तार, इन प्रोजेक्ट्स से कैंपस को आधुनिक स्वरूप देने की तैयारी है। सकते हैं। इस बजट की सबसे बड़ी घोषणा झाबुआ में मेडिकल कॉलेज की स्थापना है।

इससे न सिर्फ आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी, बल्कि स्थानीय छात्रों को मेडिकल शिक्षा के नए अवसर भी मिलेंगे।

आईईटी, आईआईपीएस और अन्य विभागों में विस्तार : आईईटी में नए ऑडिटोरियम और लैब अपग्रेडेशन, आईआईपीएस में विस्तार कार्य, कॉमर्स और बायोलॉजी विभाग में ऑडिटोरियम सुधार जैसे प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं। कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण की योजना भी बजट में जोड़ी गई है। यूनिवर्सिटी अपनी आय बढ़ाने के लिए नए कोर्सेस शुरू करेगी। फार्मेसी और फाइव ईयर इंटीग्रेटेड प्रोग्राम्स जैसे कोर्सेस से सीटें बढ़ेंगी और रेवेन्यू में इजाफा होगा। कुछ विभागों के मर्जर की योजना भी बनाई गई है। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि इस साल फीस बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया। यानी छात्र

ये और अन्य सुविधाएं

- छात्राओं और कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधाएं।
- छात्राओं के हॉस्टल में इंसिनरेटर और वेंडिंग मशीन।
- कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण।
- इन फैसलों से कैंपस में सुविधाओं का स्तर बेहतर होगा।

बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ के बेहतर सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। डीएवीवी का यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि भविष्य की एक स्पष्ट रूपरेखा है-जहां आधुनिक शिक्षा, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र हित एक साथ आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं।

विभागों का मर्जर और नई शैक्षणिक दिशा : कार्यपरिषद ने कई विभागों के मर्जर को मंजूरी दी है, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। इसके साथ ही 2026-27 से ट्राइबल डेवलपमेंट और मैनेजमेंट में एमबीए कोर्स 30 सीटों के साथ शुरू किया जाएगा। नई फैकल्टी नियुक्ति के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई है, जिससे अकादमिक गुणवत्ता में सुधार होगा। यूनिवर्सिटी ने नए कोर्स शुरू करने के साथ ही उन कॉलेजों की पुन: जांच का निर्णय लिया है, जो तय मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया गया है। विवि की यह बैठक केवल बजट पारित करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें भविष्य की शिक्षा, तकनीक और इंफ्रास्ट्रक्चर का पूरा रोडमैप तय किया गया। आने वाले समय में यह फैसले यूनिवर्सिटी को प्रदेश ही नहीं, देश की अग्रणी संस्थाओं में शामिल करने की दिशा में अहम साबित होगा।

कचरे में मिले सबूतों के आधार पर निगम की कार्रवाई

■ ड्रेनेज में केमिकल छोड़ दिया, औद्योगिक इकाइयों पर 90 हजार का स्पॉट फाइन

■ पर्यावरण और जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ पर जीरो टॉलरेंस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ननि ने ड्रेनेज सिस्टम में केमिकल युक्त अपशिष्ट जल छोड़ने और खुले में कचरा फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए तीन इकाइयों पर कुल रु. 90 हजार का स्पॉट फाइन लगाया है। यह कार्रवाई आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर की गई। निरीक्षण के दौरान निगम की टीम ने पाया कि कुछ औद्योगिक इकाइयां नियमों की अनदेखी करते हुए केमिकल युक्त अपशिष्ट सीधे ड्रेनेज लाइन में बहा रही थीं। इससे ड्रेनेज सिस्टम को नुकसान पहुंचने के साथ ही पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है।

इन पर की गई कार्रवाई-जोन क्रमांक 17 में की गई कार्रवाई के तहत आरजे कन्फेक्शनरी पर स्कीम नंबर 155 में कचरा फेंकने के मामले में रु. 50 हजार का स्पॉट फाइन लगाया गया। वहीं नाटा प्लास्टिक और आरके ट्रेडिंग पर रु. 20-20 हजार का जुर्माना किया गया। इस तरह कुल रु. 90 हजार से अधिक की वसूली की गई। यह कार्रवाई सीएसआई सत्येन्द्र सिंह तोमर, सीएसआई विवेक यादव और बल्क सुपरवाइजर की टीम की मौजूदगी में की गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि ड्रेनेज सिस्टम में किसी भी प्रकार का केमिकल या प्रदूषित अपशिष्ट जल छोड़ना पूरी तरह प्रतिबंधित है। भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई, बार-बार नोटिस के बाद भी नहीं हुआ भुगतान

13.76 लाख डायवर्सन राशि न चुकाने पर 'सेह जी फार्म हाउस' सील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिले में बकायेदारों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए एक बड़ी और सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार राजस्व विभाग ने ग्राम टिगरियाराव (कनाडिया) स्थित चर्चित 'सेह जी फार्म हाउस' को सील कर दिया। इस कार्रवाई से राजस्व बकायेदारों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, उक्त भूमि हिमालय गृह निर्माण सहकारी संस्था के नाम दर्ज है, जिसमें विजय कुमार (पिता मोहनलाल लुंकड) पर डायवर्सन राशि के रूप में 13 लाख 76 हजार 600 रुपए बकाया थे। यह राशि लंबे समय से लंबित थी और संबंधित पक्ष द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा था।

कई नोटिस, फिर भी नहीं सुधरे

बकायेदार-राजस्व विभाग द्वारा संबंधित को कई बार नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए, लेकिन लगातार अनदेखी की गई। प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए आखिरकार सख्त कदम उठाया और नियमानुसार फार्म हाउस को सीलबंद कर दिया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सुश्री संगीता और सुश्री पूजा रघुवंशी के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक तेज सिंह और विशाल शर्मा सहित पटवारी योगेश भार्गव, मोहित पांचाल, लोकेश बेतवा, यश और हरीश शर्मा मौके पर मौजूद रहे। पूरी प्रक्रिया विधिवत पंचनामा बनाकर संपन्न की गई।

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश: बकाया नहीं तो राहत नहीं, जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि शासकीय देयों का भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ अब सख्ती और तेज होगी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी प्रकरणों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सूत्रों के अनुसार, राजस्व विभाग अब ऐसे अन्य बकायेदारों की सूची तैयार कर रहा है, जिन पर बड़ी राशि लंबित है। आने वाले दिनों में इस तरह की और कार्रवाइयां देखने को मिल सकती हैं, जिससे बकाया वसूली अभियान को और गति मिलेगी।

प्रशासन की सख्ती-बोतल-कैन में पेट्रोल देने पर कार्रवाई

खत्म हुआ पेट्रोल संकट- पंपों से भीड़ छंटी तीसरे दिन हालात पूरी तरह हुए सामान्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में पिछले दो दिनों से पेट्रोल-डीजल को लेकर मची अफरा-तफरी अब पूरी तरह थम गई है। तीसरे दिन हालात सामान्य हो गए और पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें गायब हो गईं। गुरुवार को अधिकांश पंपों पर लोगों को आसानी से रोजमर्रा की तरह पेट्रोल-डीजल मिलने लगा। हालांकि बुधवार शाम से ही भीड़ कम होने लगी थी, लेकिन गुरुवार सुबह तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ गई। शहर के अधिकांश इलाकों में सप्लाई सुचारू रही, हालांकि खजराना क्षेत्र के कुछ पंपों पर सुबह के समय पेट्रोल नहीं पहुंचने से थोड़ी देर के लिए परेशानी जरूर हुई।

73 टैंकर लारी पहुंचा पेट्रल-डीजल- जिले में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और सुचारू बनी हुई है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर गुरुवार सुबह 6 बजे से मांगलिया स्थित एचपीसीएल, भारत पेट्रोलियम एवं इंडियन ऑयल के डिपो पर

मांगलिया डिपो से टैंकरों की सप्लाई

टैंकरों में ईंधन भरने का कार्य तेज गति से प्रारंभ कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह 9 बजे तक मांगलिया डिपो से हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 24 टैंकर लारियां, भारत पेट्रोलियम की 34 तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की 15 टैंकर लारियां (कुल 73 टैंकर लॉरी) विभिन्न पेट्रोल पंपों के लिए रवाना हो चुकी हैं। डिपो पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध है और पूरी क्षमता के साथ टैंकरों को भरा गया।

सुबह 5 बजे से सक्रिय हो गया जिला प्रशासन-जिला प्रशासन की टीम सुबह 5 बजे से ही सक्रिय होकर मांगलिया डिपो तथा फील्ड के पेट्रोल पंपों का सतत निरीक्षण कर रही है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन द्वारा सभी संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वह अपना इंडेंट लगाने की अग्रिम कार्रवाई करेंगे और किसी प्रकार से पेट्रोल पंप ड्राइ ना रहे इसकी समुचित तैयारी सेल्स ऑफिसर तेल कंपनियों एवं पंप संचालक करना सुनिश्चित करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा यह भी सख्त निर्देश सभी पंप संचालक को और ऑयल कंपनी के सेल्स ऑफिसर को दिए गए हैं कि किसी प्रकार से पेट्रोल डीजल केन बोतल आदि में नहीं देंगे, ऐसा करने वाले संचालक और उनके कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल प्राप्त करें। जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति पूरी तरह व्यवस्थित रूप से जारी है। तेज प्रशासनिक कार्रवाई और लगातार सप्लाई के चलते इंदौर में पेट्रोल संकट पर काबू पा लिया गया है। अब शहर में हालात पूरी तरह सामान्य हैं और आमजन को राहत मिली है।

रेलवे की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला कांग्रेस सेवादल कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश जोशी एवं इंदौर शहर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रेलवे की नई नीतियों के खिलाफ नाराजगी जताई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र की एनडीए सरकार द्वारा लागू किए गए नए टिकट रद्दीकरण नियम पूरी तरह से जनविरोधी हैं। उन्होंने कहा कि पहले की व्यवस्था में यात्रियों को टिकट रद्द करने पर अधिक राहत मिलती थी, जिससे आम जनता को आर्थिक नुकसान कम उठाना पड़ता था। नेताओं के अनुसार, वर्तमान नियमों में 24 से 8 घंटे के बीच टिकट रद्द करने पर लगभग 50 प्रतिशत तक राशि काट ली जाती है, जबकि ट्रेन प्रस्थान के 8 घंटे के भीतर टिकट रद्द करने पर कोई रिफंड नहीं दिया जा रहा है। इससे गरीब, मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग के यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व में यूपीए सरकार के समय रेलवे को जनसेवा का माध्यम मानते हुए यात्रियों को अधिकतम राहत दी जाती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने नियमों को कठोर बनाकर सुविधाओं में कटौती कर दी है।

जिला शिक्षा केन्द्र ने जारी की सूचना

छात्रावास प्रवेश के लिए 30 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे विद्यार्थी

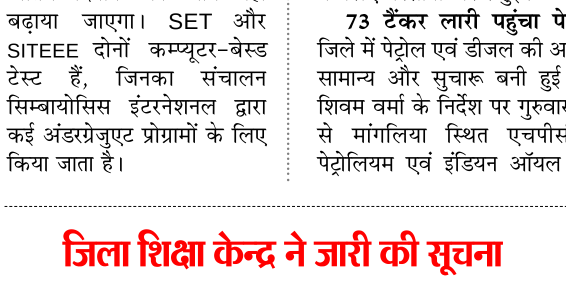

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा छात्रावासों में प्रवेश को लेकर सूचना जारी की गई है। कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र इंदौर द्वारा बताया गया कि कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालक/बालिका छात्रावासों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। डीपीसी कार्यालय के अनुसार अभिभावक एवं विद्यार्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट एमपी एडुकेशन पोर्टल के माध्यम से घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। आवेदन फॉर्म भरने में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर नजदीकी कियोस्क सेंटर से सहायता ली जा सकती है। प्रवेश के प्रथम चरण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है। यदि सीटें रिक्त रहती है, तो द्वितीय चरण के अंतर्गत 6 अप्रैल से 10 जून तक पुन: आवेदन किए जा सकेंगे। जिला शिक्षा केन्द्र ने अभिभावकों से समयसीमा के भीतर आवेदन करने कहा है, ताकि विद्यार्थियों को समय पर छात्रावास सुविधा का लाभ मिल सके।

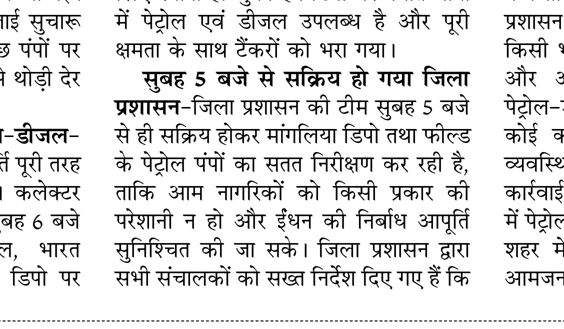

मुख्यमंत्री के इंदौर प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियां जारी

कलेक्टर ने दशहरा मैदान पहुँचकर तैयारियों का लिया जायजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 29 मार्च को इंदौर में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियां जारी है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने अधिकारियों के दल के साथ दशहरा मैदान पहुँचकर कार्यक्रम आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्था संबंधी दायित्व भी सौंपे। उल्लेखनीय है कि दशहरा मैदान में संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम प्रस्तावित है। कलेक्टर श्री वर्मा के भ्रमण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

केविएट दायर करने संबंधी सूचना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वरिष्ठ जिला पंजीयक इन्दौर ने बताया कि 'मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2018' के तहत प्रदेश के समस्त जिले में अचल संपत्तियों के मूल्य निर्धारण हेतु केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदन प्राप्त हुआ है। उक्त विषयक यह संभावना है कि गाईडलाईन संबंधी प्रकिया के विरूद्ध उच्च न्यायालय इन्दौर में याचिका दायर की जा सकती है। महानिरीक्षक पंजीयन भोपाल के आदेशानुसार सर्व साधारण को सूचित किया गया है कि याचिका दायर करने के पूर्व याचिका की एक प्रति कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन, एवं अधीक्षक मुद्रांक एवं पंजीयन भवन, प्लॉट नंबर 35-ए, अरेरा हिल्स, भोपाल 462011 में सुनवाई दिनांक से पूर्व प्रेषित करें।

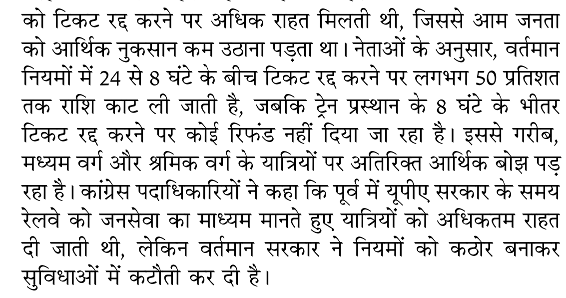

सेवानिवृत्त के खिलाफ डॉ. सोढ़ी को कोर्ट से राहत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवा इंदौर संभाग के द्वारा दिए गए आदेश अनुसार सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक इंदौर डॉक्टर जी एल सोढ़ी को सेवानिवृत्ति का आदेश प्रदान कर उन्हें कार्य से मुक्त किया गया था। इस आदेश के विरोध में डॉक्टर जी एल सोढ़ी द्वारा न्यायालय की शरण ली गई और न्यायालय ने क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवा के आदेश को गलत ठहराते हुए और डॉक्टर सोढ़ी को राहत देते हुए उन्हें पूर्ववत कार्य करने हेतु आदेशित किया गया तथा 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक कार्य करने के लिए निर्देश न्यायालय ने दिए । न्यायालय के निर्देश के परिपालन में डॉक्टर जल सोढ़ी ने आज पुन: सिविल सर्जन के पद पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शुक्रवार 27 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

रविवार को लाभमंडपम में सजेगी नादब्रह्म की सुरीली महफिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के रेसकोर्स रोड स्थित लाभमंडपम सभागार में संगीत प्रेमियों के लिए विशेष कार्यक्रम 'नादब्रह्म' का आयोजन किया जा रहा है। 'सप्तरंगी स्वर लहरियां - भाग 12' की इस श्रृंखला में इस बार 'गोल्डन बीट्स' की सुरीली सौगात पेश की जाएगी, जिसका आगाज़ शाम 4:30 बजे से होगा। इस संगीतमय शाम में शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व अपनी गायकी के हुनर का प्रदर्शन करेंगे, जिनमें चिकित्सा और व्यवसाय जगत के प्रमुख नाम शामिल हैं। कार्यक्रम के बारे में संयोजिका ममता मेहता ने बताया कि 'नादब्रह्म का यह 12वां संस्करण संगीत के प्रति हमारे अटूट प्रेम और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य इस मंच के माध्यम से ऐसी स्वर लहरियां पैदा करना है जो श्रोताओं के मन को शांति और प्रसन्नता प्रदान करें। 'गोल्डन बीट्स' के अंतर्गत हम उन सदाबहार धुनों को फिर से जीवंत करने का प्रयास कर रहे हैं जिन्होंने दशकों से हमारे दिलों पर राज किया है।

महानाट्य शतायु चिरायु में 35 कलाकारों ने दी प्रस्तुति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●राष्ट्रीय स्वयंसेवक के अतीत से वर्तमान तक, मंच पर दिखी राष्ट्र निर्माण की कहानी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के के रूप में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ निशांत खरे और मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ विकास दवे ने मां सरस्वती पूजन, दीप प्रज्वलित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए! डॉ खरे ने अपने बौद्धिक उद्बोधन में कहां की 100 वर्षो में सिर्फ 17 लोगों की एक शाखा से आज लगभग 90 हजार शाखा तक का सफरराष्ट्र को समर्पित अनगिनत स्वयंसेवक के माध्यम से तय किया है, आपने संघ की शुचिता व प्रामाणिकता के उदाहरण देकर संघ के रचनात्मक कार्यों का वर्णन किया। डॉ निशांत खरे जी ने नाटक के निर्देशकद्वय सतीश मूंगरे व सुनिल गणेश मतकर का सन्मान किया । इस महानाट्य की लेखिका एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता व जनसंचार अध्ययनशाला की विभाग प्रमुख डॉ सोनाली सिंह नरगुंदे ने कहां की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कभी भी अपना प्रचार नहीं करता है, लेकिन कोई संघठन यदि रचनात्मक कार्य करते करते 100 वर्ष पूर्ण करता है तो संक्षिप्त में ही सही अतीत से वर्तमान तक का सफर लोगों तक पहुंचाने का दायित्व हमारा है और इस भव्य नाटक के माध्यम से लोगों तक पहूंचाने का प्रयास किया है ।

गैस संकट से टूरिज्म पर ब्रेक, इंदौर से 40 प्रतिशत तक बुकिंग घटी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गर्मियों की छुट्टियों की सैर का सपना देख रहे इंदौर के सैकड़ों परिवारों की योजनाओं पर अचानक ब्रेक लग गया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गहराते एलपीजी गैस संकट के कारण होटल और रेस्टोरेंट संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे टूर पैकेज कैंसिल हो रहे हैं। ट्रैवल एजेंट ने बताया कि हर साल इस सीजन में शिमला, मनाली, मसूरी और नैनीताल के लिए जबरदस्त बुकिंग होती है। इस बार भी ऐसा ही हुआ था, लेकिन गैस संकट से स्थिति पलट गई और कई होटलों ने मेन्यू सीमित कर दिया है, जबकि कुछ ने अस्थायी रूप से सेवाएं बंद कर दी हैं। अब यात्री अपने पैकेज निरस्त कर रहे हैं। ट्रैवल एजेंट अमोल कटारिया ने कहा कि बुकिंग्स में 30 से 40 प्रतिशत तक गिरावट आई है। यात्री टूर कैंसिल या पोस्टपोन कर रहे हैं। होटल संचालक खुद गैस संकट की जानकारी दे रहे हैं।

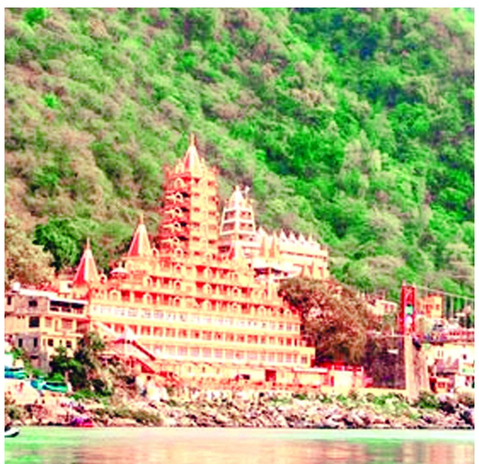

ये आ रही दिक्कतें

- होटलों में गैस की कमी
- मेन्यू सीमित या बंद
- केवल चाय और मैगी जैसे विकल्प
- कुछ होटलों ने अस्थायी रूप से सेवाएं रोकी

अप्रैल-मई की बुकिंग पर भी पड़ा असर

- करीब 30 प्रतिशत पैकेज कैंसल
- 40 प्रतिशत तक बुकिंग में गिरावट
- बड़ी संख्या में टूर पोस्टपोन

सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए देवार्थ अवार्ड्स से लेफ्टिनेंट कर्नल ने प्रतीक चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर का प्रतिष्ठित एडवांस एकेडमी स्कूल द्वारा स्कूल के परिसर के आडिटोरियम में मुख्य समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता श्री प्रकाश मानावत को शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति आदि के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदेश का प्रतिष्ठित सम्मान देवार्थ अवार्ड्स से लेफ्टिनेंट कर्नल श्री राहुल जी बोरासकर एवं स्कूल डायरेक्टर टिम्सी जी राय ने प्रतीक चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान प्राप्त होने पर अनेक सामाजिक संगठन ने श्री मानावत को बधाई प्रेषित की।

हंसदास मठ पर दो दिवसीय हनुमान जयंती महोत्सव बुधवार से, अभिमंत्रित कवच का वितरण भी होगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एयरपोर्ट रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर चैत्र नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में हंस पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्रीमहंत रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर पवनदास महाराज के सानिध्य में दो दिवसीय हनुमान जयंती महोत्सव का शुभारंभ बुधवार 1 अप्रैल को अखंड रामायण पाठ के साथ होगा। शाम 7 बजे पंचमुखी चिंताहरण हनुमानजी के विग्रह का अभिषेक होगा। भक्तों को अभिमंत्रित कवच का वितरण भी किया जाएगा। मठ के पुजारी अमितदास महाराज ने बताया कि गुरुवार 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के मुख्य महोत्सव

पर सुबह 6.30 बजे जन्मोत्सव आरती के पश्चात शाम 4 बजे अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति और हवन होगा। शाम 6.30 बजे से हनुमानजी को 56 भोग समर्पित कर भव्य चोला समर्पित करेंगे तथा श्रृंगार दर्शन एवं महाआरती के पश्चात संगीतमय सुंदर काण्ड का पाठ होगा। शाम 7 से 10 बजे तक महाप्रसादी का आयोजन भी होगा। इस अवसर पर भक्तों को अभिमंत्रित कवच का वितरण भी किया जाएगा।

मालवा निमाड़ में स्मार्ट मीटर स्थापना का आंकड़ा पहुंचा 16 लाख

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डिजिटल इंडिया एवं उपभोक्ता हितैषी भावना के साथ मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य सतत किया जा रहा है। ताजा स्थिति में मालवा निमाड़ में सोलह लाख स्मार्ट मीटर स्थापित हो चुके हैं। ये स्मार्ट मीटर सभी उपभोक्ताओं को दिन में यानि सौर ऊर्जा अवधि में पर्यावरण हित को लेकर बिजली खपत करने पर टीओडी छूट दिला रहे हैं, वहीं गैर घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को पावर फैक्टर छूट भी नियमित रूप से बिजली बिल में प्रदान की जा रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, वहीं ट्रांसफार्मर एवं फीडरों पर भी स्मार्ट मीटर लगाकर उपभोक्ता सुविधा बढ़ाने, लाइन लॉस घटाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। सबसे ज्यादा इंदौर शहर में पौने सात लाख स्थानों पर स्मार्ट मीटर स्थापित हो चुके हैं। वहीं उज्जैन जिले में 1.45 लाख, रतलाम जिले में 1.25 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। अन्य जिलों में स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य 25 हजार से 88 हजार स्थानों पर हो चुका है। कंपनी क्षेत्र के महू, खरगोन, नागदा, झाबुआ, थांदला नगरीय क्षेत्र पूर्ण स्मार्ट मीटरीकृत घोषित हो चुके है।

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ भारत के प्रदेश उपाध्यक्ष बने विजय रोजिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ भारत अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन है। जिनका उद्देश्य सर्व रविदास आनुयायी समाज को धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर विश्व स्तर पर संगठित कर मूल धर्म एवं उसकी विचारधारा से जोड़ना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आपको श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के ज्ञान दर्शन महामण्डलेश्वर संत श्री श्रवणदास जी महाराज के परम आशीर्वाद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रविदासाचार्य सुरेश राठौर व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने की सहमति से विजय रोजिया को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने ने विजय रोजिया को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रकाश जाटव सर, कोषाध्यक्ष शेरा बामने व वरिष्ठ समाज सेवा प्रकाश सेरोके, डॉ. प्रकाश बीसे उपस्थित थे।

नर्मदा चतुर्थ चरण परियोजना इंदौर को मिलेगी अमृत की सौगात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और जलप्रदाय विभाग प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा ने बताया कि शहर की पेयजल व्यवस्था को आधुनिक और दीर्घकालिक बनाने की दिशा में नर्मदा चतुर्थ चरण के अंतर्गत 1356 करोड़ रुपए के तीन पैकेजो का भूमिपूजन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के करकमलों से 29 मार्च रविवार सुबह 10 बजे दशहरा मैदान पर किया जाएगा। कार्यक्रम पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न होगा। नेताओं ने बताया कि यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी। यह केवल आधारभूत संरचना का विकास नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, सुविधा और बेहतर जीवन स्तर से जुड़ा एक व्यापक प्रयास है। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत इस परियोजना से इंदौर में 24×7 जलापूर्ति सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें इंदौर शहर की भविष्य की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त 400 एम.एल.डी. जलापूर्ति सुनिश्चित की जावेगी।

अयोध्या से आया भगवा ध्वज लहराएगा, 108 से अधिक मंच से भक्त करेंगे स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव रामनवमी के अवसर पर शहर की सबसे भव्य परंपरागत श्रीराम रथ यात्रा पंचकुइया स्थित श्रीराम मंदिर आश्रम से 27 मार्च को निकलेगी। जिसमे 501 वर्ष प्राचीन भगवान रामलला भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण पर निकलेंगे। दोपहर 12:00 बजे राम जन्म आरती होगी। इस यात्रा में अयोध्या भगवान रामलला की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी, प्रसिद्ध भजन गायक राम भक्ति के भजनों की प्रस्तुति देंगे । इस आयोजन में अयोध्या, मथुरा वृन्दावन के साधु संतो के साथ ही पूरे शहर भर के साधु संत भी सम्मिलित होंगे।

डाउन सिंड्रोम से ग्रसित बच्चों हेतु हेल्थ कैम्प एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर सामाजिक न्याय विभाग द्वारा नेशनल ट्रस्ट ऑफ इंडिया की लोकल लेवल कमेटी एवं सिन्ड्रोम फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में, इंदौर एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों के सहयोग से डाउन सिंड्रोम से ग्रसित बच्चों हेतु हेल्थ कैम्प, पालकगणों से चर्चा तथा समस्या/निदान संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र (डीडीआरसी), परदेशीपुरा, इंदौर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय पवन चौहान, डॉ. शिल्पा भालेराव, डॉ. अनुराधा जैन, डॉ. संजय सिलावट तथा डीडीआरसी की प्रशासकीय अधिकारी श्रीमती विजिया सिंघार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

समाजसेवी सुदर्शन जैन को जैन रत्न की उपाधि प्रदान की गई

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● देपालपुर नगर के राजनैतिक सामाजिक और धार्मिक क्षेत्रों में सदैव सक्रिय रहने वाले मौलिक विचारक गुरुभक्त सुदर्शन कांतिलाल जैन को श्वेतांबर जैन मालवा महासंघ एवं श्वेतांबर जैन श्री संघ देपालपुर द्वारा आयोजित समारोह में जैन रत्न की उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। जन जन के आस्था के केंद्र आचार्य श्री नवरत्न सागर के कृपापात्र सर्वधर्म दिवाकर आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सान्निध्य में भी हज़ारों लोगों की उपस्थिति में आयोजित महामांगलिक समारोह के पुनीत अवसर पर साधु साध्वी श्रावक श्राविका एवं हज़ारों जन्मेदनी की उपस्थिति में एवं देश के कई सामाजिक राजनैतिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जैन समाज के लिए तन मन धन से समर्पित जीनवाणी के लिए सेवा समर्पण त्याग की मिसाल सुदर्शन कांतिलाल जैन को जैन रत्न प्रदान किया। इस अवसर पर जैन रत्न सुदर्शन जैन ने कहा कि यह मेरा नहीं गुरुओं के आशीर्वाद और माता-पिता के दिए हुए संस्कारों का सम्मान है। जैन रत्न उपाधि मेरे लिए जैन धर्म समाज और राष्ट्र के लिए अपने आपको पूर्ण समर्पित करने की चुनौती और सर्वोपरि अवसर दोनों है।

9 दिनों से चल रहे श्री रामचरितमानस नवाहा पारायण का होगा समापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●रघुनाथपुरम स्थित श्री राम मंदिर आश्रम पर श्री रामनवमी के पावन पर्व पर गुरुवार को श्री राम जन्मोत्सव अयोध्या की तर्ज पर धूमधाम से मनाया जाएगा। सुबह भगवान का अभिषेक होगा, विशेष श्रृंगार कर फूल बंगला सजेगा, 108 दीपों से जन्म आरती होगी। साधु संत सहित हजारों भक्त सम्मिलित होंगे। श्रीमद् जगद्गुरू द्वाराचार्य मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज के आशीर्वाद से आयोजन होगा। वहीं 9 दिनों से चल रहे श्री रामचरितमानस नवाहा पारायण का समापन होगा। श्री राम मंदिर धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री जानकी बल्लभ दास महाराज ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर श्री रामचरितमानस नवाहा पारायण श्री गिरधर गोपाल शास्त्री के मुखारविंद से अयोजित किया जा रहा है,इसकी पूर्णाहुति 27 मार्च को सुबह 11 बजे होगी। मंदिर के महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज ने व्यासपीठ का पूजन किया। उसके पहले भगवान श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार का आचार्यो व ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मन्त्रोच्चार के बीच राम नाम के जाप के साथ दूध,दही, शहद, पंचामृत से और 11 नदियों के जल,11 फलों के जल से अभिषेक होगा, अभिषेक पश्चात भगवान दरबार मोगरा व गुलाब सहित अनेक किस्म के फूलो से सजेगा, साथ ही भगवान विशेष श्रृंगार होगा। 56 प्रकारो के फलो व मिष्ठानो का भोग भी लगेगा। अयोध्या की तर्ज पर भगवान श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार की श्री राम जन्मोत्सव आरती 108 दीपो से होगी, घंटे घड़ियाल बजेंगे, साधु संतों सहित हजारों भक्त सम्मिलित होंगे। अशोक बीदासरिया ने बताया कि मंदिर परिसर में दीपोत्सव मनेगा, 5100 मिट्टी के दीपों से पूरा परिसर सजेगा।

सम्पादकीय

होर्मुज पर नरमी से खुली उम्मीद की राह, ईरान के फैसले से भारत समेत दुनिया को बड़ी राहत

मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से उपजी मुश्किल का सामना कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने जवाब के तौर पर जो मोर्चे खोले, उसमें होर्मुज जलमार्ग को बाधित करना उसकी एक कारगर रणनीति साबित हुई है। इसी वजह से आज हालत यह है कि दुनिया के कई देश ईरान के सख्त रुख की वजह से कच्चे तेल और गैस के संकट का सामना कर रहे हैं। इनमें वैसे देश भी हैं, जिन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं की है, वे किसी भी पक्ष में मैदान में नहीं हैं और मतभेद के मुद्दों का हल संवाद के जरिए करने के समर्थक हैं। भारत ने भी पश्चिम एशिया में उभरे संकट का समाधान बातचीत से निकालने के लिए आवाज उठाई है। शायद यही वजह है कि अब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से चीन और रूस सहित जिन पांच देशों को अपने जहाज निकालने की छूट दी है, उनमें भारत भी शामिल है। यों भारत आने वाले चार जहाज पहले ही होर्मुज जलमार्ग को पार कर चुके हैं, लेकिन अठारह जहाज उसी इलाके में फंसे हुए थे। ईरान के ताजा रुख के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि भारत के बाकी जहाज वहां से निकल कर आ सकेंगे और इससे देश में तेल और गैस के गहराते संकट को कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि अमेरिका और इजरायल को लेकर ईरान अब भी सख्त है और शांति प्रस्तावों को लेकर भी उसने कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर होर्मुज जलमार्ग पर उसके रुख में आई नरमी से दुनिया के कुछ देशों को राहत मिल सकती है। बाकी ईरान जिन्हें शत्रु देश मानता है, उनके जलपोतों को लेकर वह अब भी सख्त है। जहां तक भारत का सवाल है, तो ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दी है, जिन्हें हम मित्र मानते हैं। इसमें चीन, रूस, भारत, इराक तथा पाकिस्तान शामिल हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से भारत ईरान के साथ लगातार कूटनीतिक संवाद के जरिए पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म कराने के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग से अपने लिए भी एक रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा था। कुछ उतार-चढ़ाव को छोड़ दें, तो भारत और ईरान के संबंध दोस्ताना रहे हैं। ऐसे में अगर ईरान ने अगर होर्मुज जलमार्ग के रास्ते आवागमन के लिए भारत को भी सुविधा दी है, तो कूटनीतिक संवाद के एक सकारात्मक हासिल के साथ-साथ इसे उन्हीं संबंधों की एक कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है।

क्या पाकिस्तान ईरान-इजरायल संकट के बीच एक 'दलाल राष्ट्र' है

हाल ही में अमेरिका-ईरान जंग में मध्यस्थता करने पर जयशंकर ने पाकिस्तान को अमेरिका का दलाल कहकर पुकारा। साथ ही ये भी कहा कि पाकिस्तान 1981 से ऐसा करता आ रहा है।यह कोई नई बात नहीं है। अमेरिका हमेशा उसका इस्तेमाल करता रहा है। ईरान संकट पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष का सवाल था कि अमेरिका ईरान युद्ध में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है, हमारी भूमिका क्या है? इन सवालों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ साफ कहा कि भारत खुद को पाकिस्तान की तरह 'दलाल' के रूप में नहीं देखता है। भारत की भूमिका प्रोडक्टिव है। भारत चाहता है कि शांति हो।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि अमेरिका 1981 से उस देश का इस्तेमाल कर रहा है। संसद परिसर में आयोजित इस बैठक में उन्होंने दो टूक कहा, हम कोई 'दलाल' देश नहीं हैं।'

सरकार ने विपक्षी नेताओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट संदेश दिया है कि पश्चिम एशिया में युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए, क्योंकि इसका असर सभी पक्षों पर पड़ रहा है। भारत ने इस मुद्दे पर तनाव कम करने के अपने रुख को दोहराया है। सरकार ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि नई दिल्ली इस वैश्विक संकट पर खामोश है। सरकार ने पलटवार करते हुए कहा, 'हम स्थिति पर टिप्पणी भी कर रहे हैं और प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।' कूटनीतिक सक्रियता का उदाहरण देते हुए बताया गया कि जब ईरान का दूतावास खुला, तो विदेश सचिव ने बिना किसी देरी के वहां जाकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर का जवाब इतिहास के पन्नों को उधेड़ने वाला था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पाकिस्तान की मध्यस्थता का जिक्र आने पर जयशंकर ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो 1981 से चल रहा है, अमेरिका ने सालों से पाकिस्तान को ईरान के साथ बातचीत में लगा रखा है। सवाल ये कि आखिर 1981 में ऐसा क्या हुआ था, जिसका जिक्र कर विदेश मंत्री ने पाकिस्तान की हैसियत और अमेरिका के साथ उसके रिश्तों की पूरी कलई खोल कर रख दी।

बात 1979 की है, जब ईरान में ऐतिहासिक इस्लामिक क्रांति हुई थी। इसी क्रांति के दौरान तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास पर ईरानी

प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर लिया और 400 से ज्यादा दिनों तक अमेरिकी राजनयिकों को बंधक बनाए रखा। यह इतिहास का वह चर्चित बंधक संकट था जिसने अमेरिका और ईरान के रिश्तों में हमेशा के लिए एक गहरी खाई खोद दी। इस घटना के बाद 7 अप्रैल 1980 को अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक संबंध पूरी तरह से टूट गए। दोनों देशों ने एक-दूसरे के यहां अपने दूतावास बंद कर दिए और सीधी बातचीत का कोई रास्ता नहीं बचा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में धुर विरोधी देशों को भी संवाद का कोई न कोई 'बैकचैनल' या पिछला दरवाजा खुला रखना पड़ता है। यहीं से उस व्यवस्था का जन्म हुआ जिसे जयशंकर ने 'दलाली' का नाम दिया। जनवरी 1981 में अमेरिका और ईरान के बीच अल्जीयर्स समझौता हुआ। इसके तहत तय किया गया कि दोनों देश एक-दूसरे की राजधानियों में किसी तीसरे 'तटस्थ' देश के राजनयिक संरक्षण में अपने इंट्रेस्?ट पर फोकस करेंगे। ईरान में अमेरिकी हितों की देखभाल का जिम्मा स्विट्जरलैंड के दूतावास को सौंपा गया, जो आज भी कायम है। वहीं, अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में ईरान के हितों की जिम्मेदारी शुरुआत में अल्जीरिया को दी गई थी। लेकिन 1992 में अल्जीरिया में हुए गृह युद्ध के दौरान जब ईरान ने वहां के इस्लामिक धड़े का समर्थन किया, तो अल्जीरिया ने यह जिम्मेदारी छोड़ दी। अल्जीरिया के हटते ही पाकिस्तान ने इस अवसर को लपक लिया और अमेरिका में ईरान का संरक्षक बन बैठा।

तब से लेकर आज तक अमेरिका में ईरान का जो भी आधिकारिक कामकाज होता है, वह पाकिस्तानी दूतावास की छतरी तले ही होता है। वाशिंगटन डीसी के 2209 विस्कॉन्सिन एवेन्यू स्थित पाकिस्तानी दूतावास के पते से ही 2015 तक ईरानी सरकार ने अमेरिका में अपना काम किया। बाद में जगह की कमी के कारण ईरान को दूसरी जगह दे दी गई। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि आज भी कानूनी और कूटनीतिक रूप से यह जगह पाकिस्तानी दूतावास का ही हिस्सा मानी जाती है और इसे पाकिस्तान का राजनयिक संरक्षण प्राप्त है। इस कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को पाकिस्तानी प्रोटोकॉल कवर मिलता है। करीब 15 लाख ईरानी-अमेरिकियों के पासपोर्ट रिन्यू करने से लेकर जन्म और विवाह प्रमाण पत्र बनाने तक का सारा काम इसी दफ्तर से होता है।

इस पूरी व्यवस्था को देखकर साफ समझ आता है कि पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच महज एक डाकघर की भूमिका निभाता है। जो भी देश इन दोनों धुर विरोधियों के बीच बातचीत का सूत्रधार बनता है, उसके कागजात इस्लामाबाद के जरिए ही आगे बढ़ते हैं। यह पाकिस्तान की उस अवसरवादी और दोहरी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण है जहां वह एक तरफ कर्जे के लिए ईरान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब के सामने हाथ फैलाता है और खुद को सुन्नी दुनिया का मसीहा बताता है, तो दूसरी तरफ अमेरिका में तेहरान (शिया शक्ति) का राजनयिक चैनल भी चलाता है। जयशंकर का इशारा पाकिस्तान की इसी भूमिका की ओर था कि वह 1981 में बनी व्यवस्था के तहत आज भी दोनों पक्षों के बीच एक किराए के संदेशवाहक का काम कर रहा है।

जयशंकर का 1981 का जिक्र केवल इस कूटनीतिक डाकघर तक ही सीमित नहीं था, बल्कि यह उस साल की ओर भी सीधा इशारा था जब अमेरिका ने पाकिस्तान को अपने भू-राजनीतिक मोहरे के रूप में पूरी तरह से खरीद लिया था। 1979 में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के आक्रमण के बाद अमेरिका को इस क्षेत्र में एक ऐसे मोहरे की जरूरत थी जो चंद डॉलरों के एवज में उसके इशारों पर काम कर सके और अपनी जमीन का इस्तेमाल करने दे। पाकिस्तान इस काम के लिए खुशी-खुशी तैयार हो गया। इसके बाद 1981 में रोनाल्ड रीगन के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन और पाकिस्तान के बीच एक बेहद अहम सैन्य और आर्थिक समझौता हुआ।

इस डील के तहत अमेरिका ने पाकिस्तान की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर 3 ।2 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम 5 वर्षीय पैकेज मंजूर किया। इसी समझौते के तहत पाकिस्तान को पहली बार अत्याधुनिक एफ-16 (स्न-16) लड़ाकू विमानों की खेप मिली थी। इस कदम ने दक्षिण एशिया के सैन्य संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ दिया था। अमेरिका पाकिस्तान की इन 'सेवाओं' से इतना खुश था कि उसने पाकिस्तान के गुपचुप तरीके से चल रहे परमाणु संवर्धन कार्यक्रम की पूरी तरह से अनदेखी कर दी।

अमेरिका ने अपने ही परमाणु अप्रसार कानूनों से पाकिस्तान को खास छूट दे दी, ताकि उसे बेरोकटोक हथियार बेचे जा सकें। यह वह दौर था जब पाकिस्तान ने डॉलर और हथियारों की चमक के आगे अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का सौदा कर दिया था। अमेरिका ने सोवियत संघ के खिलाफ छद्म युद्ध लड़ने के लिए पाकिस्तान को एक भाड़े के सैनिक की तरह इस्तेमाल किया। भारत ने उस वक्त भी अमेरिका के इस कदम का कड़ा विरोध किया था और इसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक सीधा खतरा बताया था।

बताया जाता है कि अमेरिका की तरफ से पाकिस्तान और तुर्किए दोनों ही ईरान के सामने प्रस्ताव रखा कि मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध को रोकने के लिए शांति वार्ता पाकिस्तान या तुर्किए में हो सकती है।समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पाकिस्तान और तुर्किए के अमेरिका की तरफ से भेजे प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ईरान ने अमेरिका के सामने पांच शर्तें भी रखी हैं, जिनमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ईरान को पूर्ण अधिकार मिलने की बात कही गई है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

6 परिवारों को 14 लाख की सहायता मिली, संबल योजना के तहत नपा ने प्रमाण-पत्र वितरित किए

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह • मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के तहत बड़वाह में छह परिवारों को कुल 14 लाख रुपए की सहायता राशि मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक क्लिक के जरिए हितग्राहियों के खातों में यह राशि भेजी। बड़वाह नगर पालिका सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता, पार्षद और नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित थे। नपाध्यक्ष और पार्षदों ने हितग्राहियों को सहायता राशि के प्रमाण-पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में अलग-अलग वार्डों के छह परिवारों को यह सहायता दी गई। इनमें से पांच परिवारों को आकस्मिक मृत्यु के कारण प्रत्येक को दो लाख रुपए की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में भेजी गई। वार्ड पांच के अफजल खान के दुर्घटना में निधन होने पर उनके परिवार को चार लाख रुपए की राशि प्रदान की गई।

संबल योजना :1.60 करोड़ डीबीटी से खातों में ट्रांसफर

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर •विधायक अर्चना चिटनिस ने मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत 74 हितग्राही परिवारों को 1.60 करोड़ रुपए की अनुग्रह सहायता राशि वितरित की। यह कार्यक्रम गुरुवार को ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी माता मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक से भेजी गई। यह कार्यक्रम छिंदवाड़ा जिले से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मुख्य उपस्थिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा प्रसारण था। धामनगांव में मां वागेश्वरी ग्रामोदय मेले के तहत इसका प्रसारण किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में हितग्राही और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक अर्चना चिटनिस ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री संबल योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है। यह असंगठित श्रमिकों और

जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि डीबीटी के माध्यम से सीधे खातों में राशि पहुंचने से पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है और पात्र लोगों को समय पर सहायता मिल रही है। कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस योजना को जनहित में अत्यंत उपयोगी बताया। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना का उद्देश्य असंगठित वर्ग के श्रमिकों को विभिन्न परिस्थितियों में आर्थिक सहायता प्रदान कर समाज के कमजोर वर्ग को सुरक्षा और सहारा देना है।

डाकघर में मिली लाश, पैंट से बने फंदे पर मिला अज्ञात शख्स

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • बांबे बाजार स्थित पोस्ट ऑफिस हेडक्वार्टर के टॉयलेट में 40-42 वर्षीय अज्ञात युवक का 2 से 3 दिन पुराना शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। शासकीय अवकाश के बाद सोमवार को जब कर्मचारी डाकघर पहुंचे, तो टॉयलेट से बदबू आने पर कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने अंदर से बंद दरवाजा तोड़कर टॉयलेट के रोशनदान से लटके शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को मृतक की जेब से जबलपुर का एक रेलवे टिकट मिला है और अब शिनाख्त के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। डाकघर से पुलिस को सूचना मिली थी कि टॉयलेट से काफी बदबू आ रही है। इस पर थाना कोतवाली पुलिस से एसआई मनोज दवे और स्टाफ मौके पर पहुंचा।

मौके पर पहुंची पुलिस को टॉयलेट का दरवाजा भीतर से लॉक मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और भीतर से शव को बाहर निकाला। मामले की जानकारी देते हुए टीआई प्रवीण कुमार आर्य ने बताया कि, 'फिलहाल जांच कर रहे हैं। अज्ञात 40-42 वर्षीय व्यक्ति हैं, जिसकी पहचान नहीं हो

सकीं हैं।' टीआई आर्य के मुताबिक, व्यक्ति की लाश करीब दो से तीन दिन पुरानी है। इस दरमियान शासकीय अवकाश होने से डाकघर नहीं खुला था। आज सोमवार को वहां कर्मचारी पहुंचे तो उन्हें टॉयलेट से बदबू आई। पुलिस की जांच में सामने आया कि व्यक्ति ने फांसी का फंदा अपनी पैंट से बनाया था। पैंट को उसने टॉयलेट के रोशनदान से लटकाया हुआ था। पुलिस द्वारा मृतक के शव की तलाशी ली गई, जिसके दौरान उसकी जेब से एक रेलवे टिकट मिला है। टिकट खंडवा से जबलपुर का था। इस सुराग के आधार पर पुलिस अब मृतक की पहचान जुटाने के लिए रेलवे स्टेशन सहित आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है।

बिजली खंभे पर चढ़ा युवक मौत, सिंचाई विभाग की लाइन से तार टकराकर करंट फैला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के अर्दला गांव में बुधवार को नई बिजली लाइन डालने के दौरान खंभे पर चढ़कर काम कर रहे 24 वर्षीय मजदूर अजय भास्करे की करंट लगने से मौत हो गई। टाकली निवासी अजय दीवाल ग्रीट से बिलूद तक तार खींचने का काम कर रहा था, तभी पुरानी सिंचाई लाइन का तार नई लाइन से टकराने के कारण करंट फैल गया, जिसकी चपेट में वह आ गया। गंभीर रूप से झुलसे अजय को पंधाना अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार 24 वर्षीय अजय पांच भाई-बहनों में से एक था। घटना के बाद से पूरे परिवार में शोक का माहौल है। मृतक के जीजा रामदास मसारे ने बताया कि लाइन निर्माण कार्य में कुल 22 मजदूर लगे हुए थे। गणगौर पर्व से पहले खंभे और तार डालने का कार्य लगभग पूरा हो चुका था, केवल तार खींचने का काम शेष था। उन्होंने बताया कि जहां काम चल रहा था, वहां पहले से एक सिंचाई लाइन भी डली हुई थी, जिसमें क्लैंप लगा था। लाइन का बरास टेढ़ा होने के कारण वह नई बिजली लाइन से टकरा गया, जिससे करंट फैल गया और खंभे पर चढ़ा अजय (पिता सुखलाल भास्करे) इसकी चपेट में आ गया। बिजली कंपनी के सहायक यंत्री विवेक कुमार राजभर ने बताया कि उक्त कार्य बीटीएल कंपनी द्वारा कराया जा रहा था।

जिजाउ ब्रिगेड का राष्ट्रीय अधिवेशन, बाइक रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • मराठा सेवा संघ जिजाउ ब्रिगेड का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 28 और 29 मार्च को बुरहानपुर में आयोजित होगा। यह अधिवेशन इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में होगा। इसमें देशभर से जिजाउ ब्रिगेड के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य माता जिजाउ के आदर्शों, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागृति और संगठन को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करना है। आयोजन की रूपरेखा बताने के लिए शनिवार को मराठा सेवा संघ जिजाउ ब्रिगेड के पदाधिकारियों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मराठा सेवा संघ के प्रदेशाध्यक्ष आरएस पाटील ने बताया कि इस बार राष्ट्रीय अधिवेशन बुरहानपुर में हो रहा है, जिसकी थीम 'विरासत से आधुनिकता की ओर' रखी गई है। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर एक ऐतिहासिक शहर है, लेकिन यहां महिला उत्थान अपेक्षित स्तर तक नहीं हो पाया है। यह आयोजन महिलाओं को आगे बढ़ाने और अगली पीढ़ी को संस्कारी बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। अधिवेशन के पहले दिन, 28 मार्च को शाम 5 बजे बुरहानपुर में महिलाओं की बाइक रैली निकाली जाएगी, जिसमें केवल महिलाएं ही शामिल होंगी। शाम 7 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जहां देशभर से आए पदाधिकारी अपने-अपने राज्यों की संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे।

98.50 लाख के कार्यों का भूमिपूजन सीसी रोड और पुलिया बनेंगी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • जिले के नेपानगर क्षेत्र में सोमवार को विधायक मंजू राजेंद्र दादू ने करीब 98.50 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों में सीसी रोड, पुलिया निर्माण और अटल सेवा सदन (पंचायत भवन) का सुदृढ़ीकरण शामिल है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। विधायक मंजू दादू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुलिया और पंचायत भवन जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि विकास कार्य लगातार जारी हैं और हर गांव तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सड़कों और पुलियों के निर्माण से गांवों में आवागमन आसान होगा, खासकर बारिश के समय होने वाली परेशानियां कम होंगी। इससे छात्रों को स्कूल, मरीजों को अस्पताल और किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। अटल सेवा सदन के सुदृढ़ीकरण से पंचायत स्तर के काम तेजी से होंगे और लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से मिल सकेंगी। मजगांव में 10

लाख की सीसी रोड, केरपानी में 10 लाख की सीसी रोड, गोलखेड़ा में 11 लाख की पुलिया, अमुल्लाखुर्द डांगुरला में 10 लाख की सीसी रोड, अमुल्लाकलां में 10 लाख की पुलिया, अटल सेवा सदन के लिए 37.50 लाख और तेलियाथड़ में 10 लाख की पुलिया का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष गंगाराम मार्को, मंडल अध्यक्ष क्षितिज महाजन, किशन धांडे, रमेश महाजन, युवराज पाटील, संतोष चौधरी, गजानन यादव, सुरेश पवार, कमलेश कीर, गुड्डू कीर, प्रेम सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

चैत्र नवरात्रि पर 11 पौधे रोपे गए, 'एक पौधा अनेक जीवन' थीम पर यहां ड्रिप सिंचाई से होती है देखभाल

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • चैत्र नवरात्रि के अवसर पर रविवार को ग्राम बोदरली टेकड़ी पर पौधारोपण किया गया। शिवमहापुराण कथा के दौरान कथावाचक मनोजचंद्र महाराज, मधुकर महाजन, मुकुंदा चौधरी, करणसिंह पवार, ईश्वर महाराज, आशीष पाटिल और पर्यावरण मित्र संजय राठौड़ सहित अन्य लोगों ने मिलकर 11 पौधे लगाए। इन पौधों के लिए ड्रिप सिंचाई की व्यवस्था की गई है और इनकी निरंतर देखभाल का संकल्प लिया गया। कथावाचक मनोज चंद्र महाराज ने इस अवसर पर कहा कि पौधारोपण एक महान कार्य है, लेकिन इससे भी बड़ा कार्य पौधे को मित्र बनाकर उसकी सेवा करना है। उन्होंने बताया कि जब एक पौधा वृक्ष बनता है, तो वह न केवल वातावरण को शीतल करता है, बल्कि असंख्य जीवों को आश्रय, फल और औषधि भी प्रदान करता है। पर्यावरण मित्र संजय राठौड़ ने जानकारी दी कि गायत्री परिवार के पर्यावरण अभियान के तहत पौधारोपण के साथ-साथ सालभर उनकी देखभाल, पानी और सुरक्षा के लिए श्रमदान किया जाता है। उन्होंने इसे सच्ची सेवा और समर्पण का उदाहरण बताया।

थॉमस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी) • लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल : नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

मुंबई (एजेंसी) • पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्रकार की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुबंधित करती। इसके बाद टीम की रणनीत बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है। टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती हैं, उनकी भूमिका तय करती हैं और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं। आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं यह अपने आप में गलत नहीं है। किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये। यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैकि आईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियों को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलन को लेकर गंभीर हो।

आईपीएल 2026 में इस बार उद्घाटन समारोह नहीं होगा

बेंगलुरु (एजेंसी) • इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में इस बार उद्घाटन समारोह नहीं रखा गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार उद्घाटन समारोह की जगह पर पिछली बार इस स्टेडियम में मची भगदड़ के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। आईपीएल सत्र का पहला मुकाबला 28 मार्च को एम चेन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। पिछली बार हादसे में मारे गये लोगों के सम्मान में इस बार कोई पारंपरिक समारोह नहीं रखा गया है। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि है कि उद्घाटन मैच से पहले कोई समारोह आयोजित नहीं किया जाएगा पर 31 मई को खिताबी मुकाबले के दिन आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के सहयोग से समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

पिछली बार आरसीबी की जीत के बाद बेंगलुरु में निकाली गई विक्ट्री परेड के दौरान भची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। इसी दुखद हादसे को ध्यान में रखते हुए इस बार उद्घाटन समारोह को रद्द किया गया है जिससे मृतकों को श्रद्धांजलि दी जा सके। इससे पहले भी आईपीएल उद्घाटन समारोह के बिना ही एक बार आईपीएल आयोजित किया गया था। साल 2019 में पुलवामा हादसे के बाद भी बीसीसीआई ने उद्घाटन कार्यक्रम को रद्द करते हुए उस पर खर्च होने वाली राशि शहीद जवानों के परिवारों को दान कर दी गई थी।

फिल्म 'आखरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म निर्माता अभिजीत मोहन वारंग की संजय दत्त स्टारर फिल्म 'आखरी सवाल', 15 मई को रिलीज होगी। नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले निखिल नंदा, धनराज नथवानी और संजय दत्त द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म आखरी सवाल में संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे सितारों की अहम भूमिका है। संजय दत्त की फिल्म आखरी सवाल की सिर्फ पहली झलक ही सामने आई थी कि उसने खलबली मचा दी, जिसमें आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया गया है। बढ़ती उत्सुकता के बीच, अब एक नया असरदार पोस्टर जारी किया गया है, जो अपने शानदार विजुअल्स के साथ बहुत कुछ कह रहा है और रिलीज की तारीख 15 मई, का भी खुलासा कर रहा है। आखरी सवाल का यह पोस्टर वास्तव में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है जिसे फिल्म में दिखाया गया है। एक बड़े क्वेश्चन मार्क के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है।

टीवी से फिल्मों तक का रास्ता आसान नहीं था: उल्का गुप्ता

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों तक का सफर कुछ ऐसा ही रहा। उल्का गुप्ता ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनानी शुरू की। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद करते हुए बताया कि यह रास्ता बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि टीवी में कई सालों तक काम करने और अभिनय की बारीकियां सीखने के बावजूद फिल्मों में आने के लिए उन्हें कई ऑडिशन्स देने पड़े और खुद को बार-बार साबित करना पड़ा। उन्होंने बताया कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और लगातार प्रयास है। उल्का ने कहा कि हर नए मौके के लिए उन्हें पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ी, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा काफी अधिक है और यहां अपनी पहचान बनाना समय लेता है। गौरतलब है कि उल्का गुप्ता को सबसे पहले पहचान लोकप्रिय टीवी शो झांसी की रानी से मिली थी।

इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन यानी 'मणिकर्णिका' का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस भूमिका ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और उनके करियर की मजबूत नींव रखी। इस अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इस शो ने उन्हें एक बेहतर कलाकार बनने में बहुत मदद की। फिल्मों को लेकर अपने नजरिए पर बात करते हुए उल्का गुप्ता ने कहा कि सिनेमा समाज का आईना होता है। उनके अनुसार, फिल्मों के जरिए समाज में घटित घटनाओं और वास्तविकताओं को सामने लाया जाता है।

उज्जैन संभाग

कांग्रेस का महंगाई, गैस संकट और कुर्की के खिलाफ प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा • कांग्रेस ने महंगाई, गैस सिलेंडरों की कमी और किसानों पर विद्युत मंडल की कुर्की कार्रवाई के विरोध में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में छावनी चौराहे पर आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। धरने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक आक्रोश रैली निकाली। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्टर कार्यालय तक पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'महंगाई हटाओ' और 'किसान विरोधी नीतियां बंद करो' जैसे नारे लगाए।

कलेक्टर कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी ने एडीएम वर्मा को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रदेश और जिले की विभिन्न समस्याओं का उल्लेख किया गया था। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय लक्ष्मी तंवर ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया, गैस सिलेंडरों की किल्लत दूर नहीं हुई और किसानों के खिलाफ कुर्की कार्रवाई बंद नहीं की गई, तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। इस प्रदर्शन में पूर्व विधायक वल्लभभाई अम्बावतीया और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता गुड्डू लाला सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महाकाल लोक के पास लगी आग, दमकल ने कड़ी मशक्कत से पाया काबू

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल लोक के पास बेगम बाग क्षेत्र में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। बेगम बाग की संकरी गलियों के कारण दमकल वाहन सीधे मौके तक नहीं पहुंच सके। टीम ने वैकल्पिक तरीके से आग बुझाने की कार्रवाई की फायर ब्रिगेड ने महाकाल लोक के अंदर से दीवार के सहारे पाइपलाइन डालकर आग पर काबू पाया। इस दौरान कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। 23 मार्च 2026 को खिलचीपुर नाका स्थित सोफा फैक्ट्री में आग लगी थी, जिसमें लाखों का नुकसान हुआ। 24 फरवरी 2026 को जयसिंहपुरा के एक होटल में भी आग लगी थी। महाकाल थाना पुलिस के अनुसार घटना का तत्काल कोई स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

छात्राएं 8वीं के बाद छोड़ रहीं पढ़ाई; 200 से अधिक बालिकाएं शिक्षा से वंचित

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • नेपानगर क्षेत्र स्थित 10 हजार की आबादी वाले वन ग्राम बाकड़ी में हाईस्कूल न होने के कारण पिछले 8 सालों में 200 से अधिक बालिकाएं शिक्षा से वंचित रह गई हैं। जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर पहाड़ी इलाकों से सटे इस गांव में केवल पहली से आठवीं तक का ही सरकारी स्कूल है, जिससे आगे की पढ़ाई के लिए 5 से 12 किलोमीटर दूर जाने में असमर्थ छात्राएं पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं और कई बालिकाओं का विवाह भी हो गया है। वर्तमान में इस समस्या को लेकर नेपानगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष मधु चौहान ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर हाईस्कूल खोलने की मांग की है, वहीं जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्त ने विचार कर शासन को प्रस्ताव भेजने की बात कही है। गांव में केवल पहली से आठवीं कक्षा तक का स्कूल संचालित है। नौवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए छात्राओं को करीब 5 किमी दूर सीवल या लगभग 12 किमी दूर नावरा जाना पड़ता है। इतनी अधिक दूरी होने के कारण अभिभावक अपनी बेटियों को आगे की पढ़ाई के लिए बाहर भेजने से कतराते हैं।

बालक तो दूर के स्कूलों में चले जाते हैं, लेकिन बालिकाओं के लिए यह संभव नहीं हो पाता। केवल वही छात्राएं आगे पढ़ पाती हैं जिनका चयन उत्कृष्ट या एकलव्य विद्यालयों में होता है, जिनकी संख्या बहुत सीमित होती है। अधिकांश बच्चे आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण भी आठवीं के बाद अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं। क्षेत्र में महज 12 किमी की दूरी पर 2 हायर सेकंडरी और एक हाईस्कूल है, लेकिन जहां आदिवासी बच्चों को हाईस्कूल की आवश्यकता सबसे अधिक है वहां स्कूल नहीं खोला जा रहा है। भातखेड़ा में हायर सेकंडरी और पलासुर में हाईस्कूल है, जिनकी दूरी बाकड़ी से महज 5 किमी है। वहीं, 10 किमी दूर नावरा में हायर सेकंडरी और हाईस्कूल दोनों संचालित हैं। इसी तरह डाभियाखेड़ा में भी हाईस्कूल है, लेकिन बाकड़ी में हाईस्कूल नहीं है।

मानसिक दिव्यांगों के लिए शुरू होंगे 'प्रोटेक्शन होम' उज्जैन में 17 बच्चों की मौत के बाद लिया फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • बौद्धिक दिव्यांगों के लिए अब सरकार खुद के 'प्रोटेक्शन होम' (संरक्षण गृह) शुरू करने जा रही है। दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एक पत्र लिखकर प्रदेश में विशेष 'बौद्धिक दिव्यांगजन संरक्षण गृह' स्थापित करने का प्रस्ताव भेजा है। यह कदम इंदौर और उज्जैन के निजी आश्रमों में हुई बच्चों की मौतों के बाद उपजी परिस्थितियों और संसाधनों की कमी को देखते हुए उठाया गया है। प्रदेश में विभिन्न प्रकार के मानसिक दिव्यांगों की अनुमानित संख्या करीब 1 से 1.5 लाख के बीच है। वर्तमान में स्थानीय स्तर पर सरकारी व्यवस्था न होने से दिव्यांगों को उज्जैन के सेवाधाम जैसे केंद्रों पर भेजना पड़ता है। सेवाधाम में क्षमता से अधिक करीब 1000 दिव्यांग रह रहे हैं। पिछले दिनों उज्जैन के सेवाधाम और इंदौर के युगपुरुष धाम में हुई अप्रिय घटनाओं के पीछे संसाधनों और क्षमता की कमी को मुख्य कारण माना गया है।

प्रस्ताव के मुताबिक, शुरुआत में प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, शहडोल और शिवपुरी में ये केंद्र खोले जाएंगे। हर केंद्र की क्षमता 100 बेड (महिला और पुरुष) की होगी।

इन केंद्रों का ढांचा महिला एवं बाल विकास विभाग की 'मिशन वात्सल्य' योजना के 'बाल गृह' स्कीम की तरह तैयार किया जाएगा। इनका संचालन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत रजिस्टर्ड संस्थाओं के जरिए कराया जा सकता है। वार्षिक खर्च: एक केंद्र को चलाने में सालाना करीब 1 से 1.5 करोड़ रुपए का आवर्ती व्यय होगा। इस खर्च की व्यवस्था 'राज्य निराश्रित निधि' से करने का सुझाव दिया गया है। आयुक्त दिव्यांगजन डॉ. अजय खेमरिया का कहना है कि ऐसे कई परिवार हैं जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और घर में बौद्धिक दिव्यांग होने के कारण आजीविका का संकट खड़ा हो जाता है।

सीसीटीवी से आरोपी गिरफ्तार, ताला तोड़कर 12 हजार का माल ले गए थे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • नेपानगर क्षेत्र में एक किराना दुकान में हुई चोरी का मामला सुलझ गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह चोरी 28 जनवरी 2026 को सीवल बस स्टैंड स्थित दिव्यानी किराना दुकान में हुई थी, जिसमें घी, तेल, काजू और 8000 रुपये नकद सहित सामान चोरी हुआ था। फरियादी अरविंद पिता हीरालाल जैन (54), निवासी ग्राम सीवल, ने 28 जनवरी 2026 को नेपानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी दिव्यानी किराना दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सामान चुरा लिया। चोरों ने दुकान से आधा-आधा किलो घी के 4 पैकेट, एक-एक किलो रिफाइंड तेल के 7 पैकेट, 2 किलो काजू और गल्ले से 8,000 रुपये नकद चुराए थे। कुल 12,000 रुपये का सामान चोरी हुआ। फरियादी की शिकायत पर नेपानगर थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(a) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने फरियादी की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। फुटेज में रात के समय दो अज्ञात व्यक्ति मुंह ढंकर चोरी करते दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ग्राम सीवल और आसपास के नेपानगर, नावरा क्षेत्र के बदमाशों की तलाश की गई। अज्ञात आरोपियों की तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम डालमऊ निवासी पप्पू पिता हरदास चौहान (18) और उसका एक नाबालिग साथी नेपानगर व नावरा क्षेत्र के गांवों में रात में घरों और दुकानों में घुसकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं।

बिजली का बिल 4.80% महंगा, विद्युत नियामक आयोग ने जारी किया टैरिफ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमपी विद्युत नियामक आयोग ने 2026-27 के लिए बिजली दरों में 4.80% की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह बढ़ोतरी बिजली कंपनियों के 6044 करोड़ के घाटे को कवर करने के लिए की जा रही है। मध्य प्रदेश की जनता को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि राज्य में बिजली की दरों में 4.80% की बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। एमपी विद्युत नियामक आयोग (MPERC) ने 2026-27 के लिए यह वृद्धि की है।

बिजली कंपनियों ने पिछले वित्तीय वर्ष में 6044 करोड़ रुपए के घाटे का सामना किया, और इस घाटे को कवर करने के लिए बिजली दरों में यह बढ़ोतरी की गई है। पिछले साल केवल 3.46% की मामूली बढ़ोतरी की गई थी, जबकि कंपनियों ने 7.52% की वृद्धि की मांग की थी। मध्यप्रदेश में बिजली दर में 4.80% की बढ़ोतरी की गई है। एमपी विद्युत नियामक आयोग ने यह निर्णय लिया है, जिसे लेकर बिजली कंपनियों ने पहले ही घाटे की भरपाई के लिए यह बढ़ोतरी करने की मांग की थी। इस बढ़ोतरी से बिजली उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर प्रभावित होना पड़ेगा, क्योंकि उन्हें अब अधिक भुगतान करना होगा। बिजली कंपनियों ने बताया कि उन्हें पिछले वित्तीय वर्ष में 6044 करोड़ का घाटा हुआ है। इस घाटे को कवर करने के लिए उन्होंने MPERC से बिजली दरों में बढ़ोतरी की अनुमति मांगी थी।

भविष्य में दरों पर निगरानी

MPERC ने यह भी कहा है कि वह बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर लगातार निगरानी रखेगा। यदि आवश्यक हुआ, तो भविष्य में और भी बदलाव किए जा सकते हैं ताकि बिजली कंपनियों की स्थिति में सुधार हो सके। राज्य सरकार ने भी आश्वासन दिया है कि वह उपभोक्ताओं की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए और कदम उठाएगी।

कंपनियों का कहना है कि बढ़ी हुई दरों के जरिए वे अपने नुकसान को भरने की कोशिश करेंगे। पिछले साल बिजली दरों में केवल 3.46% की मामूली वृद्धि की गई थी, जबकि कंपनियों ने 7.52% की वृद्धि की मांग की थी। बिजली कंपनियों ने यह बताया कि उनकी वित्तीय स्थिति खराब हो गई है, और उनका घाटा पिछले कुछ वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। घाटे के कारण कंपनियां अपनी लागत को पूरा करने में असमर्थ थीं। इसके अलावा, बिजली खरीद की लागत में भी वृद्धि हुई है, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

मध्य प्रदेश में बिजली की दरों में कितनी वृद्धि हुई है?

- मध्य प्रदेश में बिजली की दरों में 4.80% की वृद्धि की गई है, जिसे 2026-27 के लिए एमपी विद्युत नियामक आयोग द्वारा स्वीकृत किया गया है।
- बिजली कंपनियों ने दरों में वृद्धि क्यों की है?
- बिजली कंपनियों ने 6044 करोड़ के घाटे की भरपाई के लिए स्क्ष्श्रक्ष्ट से बिजली दरों में वृद्धि की अनुमति मांगी थी।
- पिछले साल बिजली की दरों में कितनी वृद्धि की गई थी?
- पिछले साल बिजली की दरों में केवल 3.46% की वृद्धि की गई थी, जबकि कंपनियों ने 7.52% की वृद्धि की मांग की थी।

पिछले साल केवल 3.46% की मामूली वृद्धि की गई थी, लेकिन इस बार 4.80% की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि अपेक्षाकृत बड़ी है, क्योंकि कंपनियों ने पिछले साल 7.52% की मांग की थी, लेकिन एमपी श्वक्रष्ट ने इसे घटाकर 3.46% कर दिया था। अब, इस साल की बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए, यह तय किया गया है कि कंपनियों को अपने घाटे की भरपाई के लिए अतिरिक्त दरें लगानी होंगी। बिजली दरों में इस वृद्धि का सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। उपभोक्ताओं को अब अधिक बिल भरने होंगे, चाहे वे घरेलू उपभोक्ता हों या व्यापारिक। यह वृद्धि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों दोनों में लागू होगी, और यह उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ उत्पन्न करेगी। हालांकि, राज्य सरकार और MPERC ने यह कहा है कि उन्होंने यह कदम बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए उठाया है।

न्यूज ब्रीफ

ई-नगर निगम पोर्टल से 'सर्च ऑप्शन' गायब, टैक्स कलेक्शन के पीक टाइम में सिस्टम ठप जैसे हालात

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम के ई-पोर्टल में बड़ी तकनीकी गड़बड़ी सामने आई है, जहां बीते 24 घंटे ने पोर्टल से 'सर्च ऑप्शन' अचानक गायब हो जाने के कारण आम नागरिकों से लेकर निगम अधिकारियों तक सभी परेशान हैं। इस खामी की वजह से प्रॉपर्टी टैक्स, जल कर और अन्य बकाया से जुड़ी जरूरी जानकारी निकालना बेहद मुश्किल हो गया है, जिससे मुख्यालय सहित सभी जोन पर लोग परेशान हो रहे हैं और कर्मचारियों को रिकॉर्ड ढूंढने में अतिरिक्त समय लग रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह समस्या वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में सामने आई है, जब टैक्स कलेक्शन अपने चरम पर होता है, ऐसे में निगम के राजस्व पर सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इतना ही नहीं, नामांतरण, डुप्लीकेट रसीद, बिलिंग, नोटिस जारी करने और कानूनी प्रक्रियाओं जैसे कई अहम काम भी प्रभावित हो रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व टीम की बड़ी कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं एसडीएम के आदेश पर ग्राम टिगरियाराव, कनाडिया स्थित स्नेह जी फार्म हाउस पर राजस्व अमले द्वारा कार्रवाई करते हुए परिसर को सील किया गया। भूमि स्वामी हिमालय गृह निर्माण सहकारी संस्था, तरफे विजय कुमार पिता मोहनलाल लुंकड पर डायवर्सन राशि के रूप में 13 लाख 76 हजार 600 रुपए की बकाया राशि लंबित थी। उक्त प्रकरण में संबंधित को कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद राशि जमा नहीं कराई गई। इसके फलस्वरूप आज राजस्व टीम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्नेह जी फार्म हाउस को सील किया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सुश्री संगीता और सुश्री पूजा रघुवंशी, राजस्व निरीक्षक तेज सिंह एवं हरीश शर्मा उपस्थित रहे।

28 और 30 के बजाय अब 7 अप्रैल को किया जाएगा पेश, 8 अप्रैल को होगी बजट पर बहस

नगर निगम का बजट सम्मेलन बढ़ाया गया आगे, हटाया टेंट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम का बजट सम्मेलन 28 और 30 मार्च को आयोजित होने जा रहा था, जिसमें महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा शहर के विकास हेतु 8600 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नगर निगम के परिषद् विभाग ने बजट सम्मेलन की तैयारियां नगर निगम परिसर में कर ली थीं। यहां भोजन के लिए टेंट भी लगा दिया गया था, परिषद् सभागृह में भी साउंड एंड लाइट टेस्टिंग की जा रही थी, लेकिन अचानक बजट सम्मेलन फिलहाल निरस्त करने की सूचना परिषद् विभाग को मिली और कहा गया कि बजट सम्मेलन 28 और 30 मार्च को नहीं होगा, टेंट हटाया जाए, जिसके बाद निगम परिसर के स्टोर डिपार्टमेंट के पास लगा टेंट हटाया गया।

टेंट निकाला, सभागृह माइक बदले - परिषद् विभाग के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने बताया कि इंदौर के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बजट सम्मेलन की तारीखें

बदली जा रही हैं। 28 और 30 के बजाय अब 7 अप्रैल को बजट पेश किया जाएगा और 8 अप्रैल को बजट पर बहस होगी। फिलहाल हमारी पूरी तैयारियां हो चुकी थीं। तारीख बदलने की सूचना हमने संबंधित विभाग को दे दी है।

निगम बजट इसलिए बढ़ाया आगे-सूत्रों के मुताबिक 28 मार्च को बजट पेश होना था, 29 को रविवार होने के कारण बहस 30 मार्च को रखी गई थी, लेकिन 29 मार्च को इंदौर में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव इंदौर आ रहे हैं, इसके लिए दशहरा मैदान पर कार्यक्रम तय किया गया है, इसलिए नगर निगम ने बजट सम्मेलन को आगे बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि महापौर ने निगम अधिकारियों से जब सीएम के कार्यक्रम को लेकर चर्चा की तो उन्होंने सीएम के आयोजन के लिए दो तीन दिन पहले से तैयारी करने की बात कही। निगम अधिकारियों ने बजट सम्मेलन को आगे बढ़ाने का आग्रह महापौर से किया, जिसके बाद सम्मेलन को आगे बढ़ाया गया।

कलेक्टर शिवम् वर्मा ने दशहरा मैदान पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 29 मार्च को इंदौर में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियां जारी हैं। कलेक्टर शिवम् वर्मा ने अधिकारियों के दल के साथ दशहरा मैदान पहुंचकर कार्यक्रम आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्था संबंधी दायित्व भी सौंपे। उल्लेखनीय है कि दशहरा मैदान में संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

कलेक्टर ऋजु बाफना के आदेश पर हाईकोर्ट का स्टे, कोर्ट ने कहा- कलेक्टर को कानूनी समझ नहीं!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शाजापुर कलेक्टर ऋजु बाफना की कार्यप्रणाली एक बार फिर कानूनी कठघरे में है। हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने कलेक्टर द्वारा एक कर्मचारी की वेतनवृद्धि रोकने के आदेश पर रोक लगा दी है। साथ ही, उनकी प्रशासनिक समझ पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा कि ऐसा लगता है जैसे कलेक्टर को कानून की समझ नहीं है।

न्यायिक गलियारों में यह चर्चा का विषय है कि मार्च के महीने में यह दूसरा मौका है जब शाजापुर कलेक्टर के आदेश को कोर्ट ने मनमाना करार दिया है। इससे पहले 16 मार्च को भी हाईकोर्ट ने जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही के नियम विरुद्ध निलंबन पर रोक लगाई थी। अब ताजा मामला सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी जयंत बघेरवाल से जुड़ा है, जहां बिना किसी विभागीय जांच के उन्हें बड़ा दंड दे दिया गया था। बुधवार, 25 मार्च को हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस जय कुमार पिल्लई ने साफ शब्दों में कहा कि कलेक्टर का आदेश उनके अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करता है। कोर्ट ने हैरानी जताई कि बिना जांच किए संचयी प्रभाव के साथ दो वेतनवृद्धि रोकने जैसा कठोर दंड कैसे दिया जा सकता है। अदालत ने यह भी नोट किया कि जब कर्मचारी ने इस मामले की अपील आयुक्त के पास की, तो वहां भी इस कानूनी त्रुटि पर ध्यान नहीं दिया गया।

यह पूरा विवाद पार्किंग ठेकेदार और वसूली से शुरू हुआ था। याचिकाकर्ता जयंत बघेरवाल ने ठेकेदार से बकाया वसूलने की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके बाद ठेकेदार ने उन पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाए थे। हालांकि, जांच में रिश्वत के आरोप सिद्ध नहीं हुए, फिर भी कलेक्टर ने बघेरवाल की वेतनवृद्धि रोक दी और उनका ट्रांसफर गुलाना एसडीएम कार्यालय कर दिया था। बता दें कि बघेरवाल किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। याचिका में इस फैसले को शक्ति का गलत प्रयोग बताया गया है। सुनवाई के दौरान जब सरकारी वकील ने दलील दी कि संचयी प्रभाव शब्द एक प्रिंटिंग मिस्टेक थी। कहा गया कि प्रशासन का इरादा छोटा दंड देने का था, तो जस्टिस पिल्लई ने तीखा सवाल किया। जस्टिस पिल्लई ने पूछा कि अगर यह गलती थी, तो अपील के दौरान इसे सुधारा क्यों नहीं गया? जज ने टिप्पणी की कि,शाजापुर कलेक्टर को ज्यादा समझ नहीं है, वे कुछ भी ऑर्डर पास कर देती हैं। जब कानून नहीं मालूम, तो ऐसी चीजों में शामिल क्यों होती हैं?

महानगरों को छोड़ ठंडा रहा एमपी का प्रापर्टी मार्केट

13 हजार 920 करोड़ था टारगेट, मिले सिर्फ 11 हजार 854 करोड़

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के रियल एस्टेट बाजार में इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में मंदी का सीधा असर पड़ा है। सरकार का राजस्व लक्ष्य 13 हजार 920 करोड़ रुपए था, लेकिन 22 मार्च 2026 तक सिर्फ 11 हजार 854 करोड़ ही जुटाए जा सके। वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व का लक्ष्य 13 हजार 920 करोड़ था, 22 मार्च तक सिर्फ 11 हजार 854.52 करोड़ ही जुटे। लक्ष्य से 2 हजार 065 करोड़ रुपए की कमी है, उपलब्धि महज 85.16 फीसदी रही। प्रदेश में रियल एस्टेट में मंदी का सीधा असर रजिस्ट्री और स्टांप ड्यूटी कलेक्शन पर पड़ा है। उमरिया, श्योपुर, देवास और उज्जैन जैसे 6 जिलों में पिछले साल की तुलना में राजस्व घटा है। सिंगरौली, भोपाल और इंदौर ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन पूरे प्रदेश का लक्ष्य पूरा नहीं हो सका।

मध्यप्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कलेक्टर गाइडलाइन (एमपी प्रॉपर्टी गाइडलाइन) राजस्व का लक्ष्य 13 हजार 920 करोड़ रुपए रखा था। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 20 फीसदी ज्यादा था। लेकिन 22 मार्च 2026 तक सिर्फ 11 हजार 854.52 करोड़ रुपए ही जुटाए जा सके। यानी लक्ष्य से 2 हजार 065 करोड़ रुपए की कमी रह गई। जाहिर है, सरकार के तय टारगेट के मुताबिक प्रदेश में प्रापर्टी की खरीदी नहीं हो सकी है। बता दें कि विभाग हर साल कलेक्टर गाइडलाइन के राजस्व लक्ष्य में करीब 20 फीसदी की बढ़ोतरी करता है। इस साल यही आक्रामक लक्ष्य उसके लिए भारी पड़ता दिख रहा है। पिछले साल इसी अवधि तक 10 हजार 407 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। इस बार 11 हजार 872 करोड़ जुट चुके हैं। यानी साल-दर-साल 14.08 फीसदी की वृद्धि तो हुई, लेकिन यह तय लक्ष्य से बहुत दूर है। जानकारों का कहना है कि प्रदेश में रियल एस्टेट बाजार में मंदी का सीधा असर रजिस्ट्री और स्टांप ड्यूटी कलेक्शन पर पड़ा है। घर और प्लॉट की बिक्री धीमी पड़ी है। बड़े शहरों में कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन खरीदार कम हैं। इससे रजिस्ट्री से मिलने वाला राजस्व प्रभावित हुआ है। देवास जैसे औद्योगिक जिले का राजस्व 264 करोड़ से घटकर 229 करोड़ पर आ गया, यानी सीधे 13.32 फीसदी की गिरावट हुई है। उज्जैन, जो धार्मिक पर्यटन का केंद्र है, वहां भी 9.69 फीसदी की कमी देखी गई है। जबकि आने वाले सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन में प्रापर्टी में बूम की बातें कही जा रही हैं।

इंदौर-भोपाल की बादशाहत कायम-टॉप 5 जिलों की बात करें तो इंदौर 2413 करोड़ रुपए के साथ पहले स्थान पर है। भोपाल 1719 करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर है और 16.69 फीसदी की अच्छी वृद्धि दर्ज की है। ग्वालियर तीसरे और जबलपुर चौथे स्थान पर है। जबलपुर ने 19.77 फीसदी की मजबूत वृद्धि दिखाई है। यह ट्रेंड बताता है कि भविष्य को देखते हुए लोग महानगरों में प्रापर्टी खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

महिला आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस जुआकांड में अब चार और पुलिसकर्मी निपटे, कूबड़ा ने खोले राज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के मानपुर में महिला आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस पर हुए जुआकांड में अब चार और पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। वहीं मुख्य आरोपी कूबड़ा को जेल भेज दिया गया है। इंदौर महिला आईएएस व पूर्व कलेक्टर वंदना वैद्य व उनके पति अंबरीश वैद्य के आवंलीपुरा (मानपुर) के फार्महाउस के जुआकांड ने खाकी पर दाग लगा दिए हैं। इस कांड में पहले ही टीआई सहित तीन पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी थी। अब चार और पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हुई है। फरार मुख्य आरोपी जगदीश हड्डा राठौर उर्फ कूबड़ा के गिरफ्तार होने और उससे पूछताछ में कई खुलासे के बाद यह कार्रवाई की गई है।

अब तक थाने के सात पुलिसकर्मी निपटे-इस जुआकांड में पहले टीआई मानपुर थाना लोकेंद्र सिंह हिहोरे, एसआई मिथुन ओसारी और एएसआई

रेश्मा गिरवाल पर कार्रवाई की गई थी। अब कूबड़ा से पूछताछ के बाद एसपी ग्रामीण ने एसआई त्रिलोक बौरासी, एएसआई सुरेश भदौरिया, एएसआई नीलेश यादव और आरक्षक सुशांत को भी निलंबित करने का आदेश दे दिया है।

कूबड़ा ने बताया पहले भी हो चुका फार्महाउस में जुआ-वहीं जुआकांड में मौके से फरार हुए कूबड़ा ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस में कई राज खोले हैं। इसमें उसने माना है कि उसका मुख्य काम जुआ खिलाना है। इसके लिए वह सही जगह तलाशता रहता है। इस काम में रामपुरिया गांव का महेंद्र पटेल मदद करता है। पटेल ने आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस के केयर टेकर रणजीत जाट से बात की थी। वहां पहले भी वह जुआ करा चुका है। इसके साथ ही इसी क्षेत्र के कई और जगहों पर वह जुआ खिलवा चुका है। सूत्रों के अनुसार उसने पुलिसकर्मियों के साथ संबंध होने की बात भी बताई है। माना जा रहा है कि इसी के बाद यह कार्रवाई की गई है।

अभी तक 23 को जेल भेजा जा चुका-इस कांड में मौके से ही 18 जुआरी पकड़े गए थे और 13.67 लाख जब्त किए गए थे। इसके बाद केयर टेकर रणजीत जाट व अन्य फरार तीन आरोपी भी पकड़े गए। अब पप्पू धोभी, कूबड़ा की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। इस पूरी घटना में अभी तक 23 आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा जा चुका है। साथ ही सात पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो चुकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।